भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-19 अंक-6 | वि. स. 2080 | युगाब्द 5125 | अगस्त-2023 | वार्षिक चंदा 200/- | मूल्य प्रति - 20/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर
लखनऊ-226020
दूरभाष : 0522-4001837,
मोबाइल : 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

12/604, CWG Village,
Patparganj, N. Delhi-110092
E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
011-43306517, 9811068375

आलोक : प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सदस्यता शुल्क : 12 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

जन्म- 14 जनवरी 1934 पुण्यतिथि - 17 अगस्त 2007

दशरथ मांझी

वीर भगीरथ की तरह,
मांझी दसरथ का काम
है इतिहास प्रसिद्ध यह,
दसरथ को नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक, आजीवन सदस्य एवं अन्य पाठकगण

आपकी पत्रिका सेवा संवाद डिजिटल रूप में भी प्रकाशित की जा रही है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

यदि आप सेवा संवाद के ग्राहक नहीं हैं तो आप से अनुरोध है कि आप जल्द से जल्द सदस्यता लें और अपने मित्रों को भी सदस्यता दिलाएं।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)-** रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति-** न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक: रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.): रु 5,000, हाईस्कूल: रु 7,000, इण्टरमीडिएट: रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक: रु 10,000, परास्नातक: रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु: रु 15,000, इंजीनियरिंग: रु 18,000 और मेडिकल: रु 20,000 वार्षिक।
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका)** - रु. 2,000 की आजीवन (10 वर्षीय) सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)** - रू. 2,000 की 12 वर्षीय एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।।
8. **माधव सेवा आश्रम** - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन दिल्ली** - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. **अक्षय सेवा** - दिल्ली में एम्स एवं तीन अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. **CSR फंड** - यदि आपकी फर्म CSR के अंतर्गत भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें।

दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं:

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

स्वतंत्रता दिवस मात्र एक पर्व ही नहीं, वरन उन तमाम संघर्षों, बलिदानों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का दिन है जिनके बिना हम यह दिन मना ही नहीं पाते। यह उन संकल्पों को भी दोहराने का दिन है जो आजादी की लड़ाई के बीच लिए गए थे। आज की युवा पीढ़ी और हम अपने वर्तमान संघर्ष और भविष्य निर्माण में इस तरह व्यस्त हो गए हैं कि अपने अतीत और इतिहास का समुचित भान ही नहीं। यही नहीं आज जिस खुली हवा में हम सांस ले पा रहे हैं इसे हम केवल अपना अधिकार मान बैठे हैं। उसके पीछे के संघर्ष और बलिदान से अनभिज्ञ हमारे युवा उसके मूल्य और उसे सहेजने के अपने दायित्व को ठीक से समझ नहीं पाए हैं।

अस्तु आज यह आवश्यक है और हमारी यह जिम्मेदारी भी है कि हमारी युवा पीढ़ी, शिक्षक, विद्यार्थी और हम सभी अपने गौरवशाली इतिहास को जानें, उस पर गर्व करें तथा उसके संरक्षण के लिए संकल्प बद्ध हों। आज जब हम स्वाधीनता दिवस मनाते हैं तो वास्तव में हम अपनी 'भारतीयता' का उत्सव मनाते हैं। हमारा भारत जो अनेक विविधताओं से भरा देश है। परंतु इस विविधता के साथ ही हम सभी में कुछ न कुछ ऐसा है जो एक समान है। यही समानता हम सभी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोती है तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत अपने पहाड़ों, नदियों, झीलों और वनों तथा उन क्षेत्रों में रहने वाले जीव-जंतुओं के कारण अत्यंत आकर्षक है। आज जब हमारे पर्यावरण के सम्मुख नई-नई चुनौतियां आ रही हैं, तब भारत की सुंदरता से जुड़ी, जल, मिट्टी और जैविक विविधता आदि हर चीज के दृढ़तापूर्वक संरक्षण के लिए हमें सजग और सचेष्ट रहना होगा।

भारत के सभी नागरिकों को 'न्याय, स्वतंत्रता, समानता के साथ-साथ, लोक-कल्याण, सामाजिक समरसता, न्याय, समानता और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बढ़ाने वाले गरिमापूर्ण और भाईचारे से परिपूर्ण जीवन' हमें सुनिश्चित करना है। सबको एक मानें अर्थात् सारी दुनिया के संसाधन केवल मेरे लिए नहीं हैं, वह सबके लिए हैं, सब मेरे अपने हैं, मेरे परिजन हैं। इस तरह की सोच कि सब को सब कुछ मिले, बाद में हमें भी। त्यागभाव से हम सुखोपभोग की वृत्ति जागृत करें। हम राष्ट्र के स्तर पर भी विचार करेंगे, तभी हमारी उन्नति होगी। इसलिए अधिक से अधिक उत्पन्न करना और उसे लोगों में बाँटना यह हमारी सनातन परंपरा रही है। इसके निर्वहन में हम कभी शिथिल न हों। यद्यपि आज स्वतंत्रता के 76 वर्षों में देश ने बहुत प्रगति और विकास किया है तथा वैश्विक स्तर पर भारत की एक विशेष पहचान बनी है, तथापि विश्व गुरु के पद पर भारत को हमें पुनः स्थापित करना है तो ऋग्वेद संहिता के दशम मंडल में अभिव्यक्त इन पंक्तियों को स्मरण रखना तथा तदनुसार जीवन जीना सबके लिए हितकर होगा।

ॐ संगच्छध्वं संवदध्वंसं वो मनांसि जानताम्।

देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते।।

अर्थात हम सभी साथ-साथ चलें, आर्थिक तरक्की और विकास के रास्ते में दुनिया के दक्षिणी छोर से उत्तर तक और पूर्वी छोर से पश्चिम तक हममें से कोई भी हमसे पीछे न रह जाए, कोई भी बिछड़ न जाए। हम सभी साथ-साथ बोलें, साथ-साथ चिंतन करें और साथ मिलकर ऐसे ज्ञान का सृजन करें जिससे विश्व का कल्याण हो सके। इन्हीं शुभ कामनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

@ शिव

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

वर्ष 2017 की अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हुए इस प्रकल्प की यात्रा दिल्ली में एक स्थान से बढ़कर 4 बड़े अस्पतालों के निकट स्थानों तक पहुँच गई है। प्रतिदिन 2000-2500 लोगों को दोपहर का भोजन वितरण इस प्रकल्प के माध्यम से किया जा रहा है। चाहे तेज धूप हो, चाहे भयंकर ठण्ड और चाहे तेज वर्षा, इस प्रकल्प का काम कभी नहीं रूकता और जरूरतमंद लोगों को दोपहर का भोजन अवश्य मिलता है।

ऐसे कई व्यवसायी, चिकित्सक आदि हैं जो समय समय पर भोजन वितरण के लिए आते रहते हैं और साथ में अपने मित्रों को भी लाते हैं। शनिवार 22 जुलाई को महिपालपुर से श्रीमती अनीता जी अपने सगे सम्बन्धियों के साथ सफदरजंग अस्पताल के निकट होने वाले भोजन वितरण में भाग लेने पहुँचीं। पूर्व में अनीता जी ने भोजन वितरण होते हुए देखा था और इसमें भाग लेने की अपनी इच्छा प्रकट की थी। उन्होंने इस प्रकल्प हेतु अपना आर्थिक सहयोग भी न्यास को दिया। अनीता जी का यह कदम अनेक लोगों को इस पुनीत कार्य से जुड़ने को प्रेरित करेगा।

आप सभी से आग्रह है कि कम से कम एक बार यहाँ परिवार सहित आकर भोजन वितरण अवश्य करें और एक दुर्लभ अनुभूति का अहसास करें। साथ ही अपने बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करें।

सबसे कम उम्र में फांसी की सजा पाने वाले खुदी राम बोस

देश की आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारी खुदीराम बोस ने महज 18 साल 8 महीने और 8 दिन की बहुत कम उम्र में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। बहुत कम उम्र में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया था। बंगाल का 1905 में विभाजन होने के बाद बोस ने अपने क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत सत्येंद्रनाथ बोस के नेतृत्व में की। जज किंग्सफोर्ड से भारतीयों और खासकर क्रांतिकारियों को सख्त नफरत थी। खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने पहले पार्सल बम से किंग्सफोर्ड को मारने की कोशिश की थी। हालांकि किंग्सफोर्ड पार्सल नहीं खोले जाने के कारण बच गया। क्रांतिकारियों से डरकर किंग्सफोर्ड बंगाल से बिहार चला गया। खुदीराम और प्रफुल्ल ने वहाँ भी उसकी बग्गी पर बम फैंका लेकिन इस बार भी किंग्सफोर्ड की जान बच गई। प्रफुल्ल चाकी ने पुलिस से घिरने पर खुद को गोली मारकर शहादत दे दी। खुदीराम बोस को 1 मई 1908 को वैनी रेलवे स्टेशन पर अंग्रेज सिपाहियों ने गिरफ्तार कर लिया और एक महीने तक चले मुकदमे के बाद अदालत ने उन्हें फांसी की सजा सुनाई। 11 अगस्त 1908 को उन्हें फांसी दी गई।

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

एम्स ऋषिकेश के निकट वीरभद्र मंदिर मार्ग पर निर्माणाधीन विश्राम सदन का निर्माण कार्य जुलाई में अत्यधिक वर्षा के कारण प्रभावित हुआ। तीसरे तल की छत तो जून माह में ही डल गई थी। चौथे और अंतिम तल की छत के एक भाग का कार्य 23 जुलाई को पूर्ण हुआ। वर्षा के कारण शेष भाग की छत डालने के लक्ष्य को 30 जुलाई से 31 अगस्त तक बढ़ाया गया है। साथ ही प्लास्टर का कार्य भी चल रहा है। प्रथम तल पर प्लास्टर का कार्य पूर्ण करने के बाद अब दूसरे तल पर काम चल रहा है।

साथ ही बिजली फिटिंग का कार्य पूरे जोर-शोर से चल रहा है। प्रथम और दूसरे तल पर पाइप और बॉक्स लगाने के पश्चात अब तीसरे तल पर कार्य चल रहा है।

शीघ्र ही पानी फिटिंग और अग्नि शमन हेतु सुरक्षा के उपायों का कार्य भी शुरू होगा।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या **CSR00004454**
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या **AAATB1049GF20217**
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या **136550134**

महामना शिक्षण संस्थान

महामना शिक्षण संस्थान में वृक्षारोपण

रविवार 23 जुलाई को महामना शिक्षण संस्थान के मेधावी छात्रों ने वृक्षारोपण में भाग लिया। न्यास के न्यासी श्री कैलाश चन्द्र मिश्रा जी के साथ साथ न्यास के प्रकल्प अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान के संयोजक डॉ सुशील उपाध्याय जी भी उपस्थित थे।

16 जुलाई को संस्थान में त्रिवेणी एलमीरा के संस्थापक श्री वरुण त्रिपाठी जी का आगमन हुआ। उन्होंने अपनी आत्मकथा सुनाकर बच्चों के मन को झकझोरा तथा जीवन में कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित किया। जीवन में कुछ करने हेतु बिन्दुश: सुझाव रखे, जैसे, जीवन में सूचनाओं का पालन अनुशासित रहते हुए करें, जो व्यक्ति शून्य से चलता है वही पूर्णता को प्राप्त करता है, सतत् लगने वाला व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है, काम कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, काम को लगन से और पूरी तन्मयता के साथ ठीक प्रकार से करना चाहिए, ईमानदारी और इच्छा शक्ति से कार्य करना चाहिए और दैव अनुकूलता पर भी विश्वास रखें। इन पाँच बातों का जीवन में ध्यान रखो - (क) अधिष्ठान (ख) कर्ता (ग) करन (घ) चेष्ठा (च) दैव अनुकूलता

महामना शिक्षण संस्थान - स्वागत एवं सम्मान समारोह

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालक एवं बालिका प्रकल्प का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह दिनांक 02 जुलाई को भारतीय गन्ना अन्वेषण संस्थान, लखनऊ में आयोजित हुआ। उपरोक्त समारोह में बैच 23 की छात्राओं का प्रकल्प में स्वागत हुआ तथा गत वर्ष की ऐसी छात्राएं जिन्होंने IIT JEE अथवा NEET की परीक्षा में सफलता पाई है, उनका सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, आई आई टी पटना के निदेशक श्री टी एन सिंह जी ने अपने उद्बोधन में बालक बालिकाओं को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए अपेक्षा की कि कैरियर बनाने की दौड़ में मानव मूल्यों का महत्व पीछे न छूट जाए। उन्होंने बालक बालिकाओं को आशीर्वाद देते हुए उन्हें भारत के भविष्य का निर्माता बताया तथा उन्हें अपने कर्तव्यबोध को सदैव जीवन्त रखने की ओर प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक श्री अनिल जी ने प्रकल्प के उद्देश्य एवं कार्यों की प्रशंसा की तथा अनेक सुन्दर उदाहरणों द्वारा बालक बालिकाओं को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों की ओर सदैव जागरूक रहने तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को ध्यान रखने को प्रोत्साहित किया। पूर्व आई पी एस, सूचना आयुक्त एवं महामना शिक्षण संस्थान के संरक्षक श्री पी. के. तिवारी जी ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों को प्रशस्तिपत्र वितरित करते हुए नैतिक मूल्यों का जीवन में सदैव आचरण करने की शपथ दिलाई। समारोह में राज्य मंत्री श्री दया शंकर मिश्र दयालु, पूर्व डी जी पी श्री ब्रजलाल, भाऊराव देवरस न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल जी, न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

दिनांक 23 जुलाई को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ आह्वान के अन्तर्गत बालिकाओं ने पौधारोपण किया।

दिनांक 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर बालिकाओं ने भारतीय सैनिकों के प्रति कृतज्ञ भाव से श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या

27 जुलाई को अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान की बैठक श्री मुकेश जिंदल जी और अमित श्रीवास्तव जी के नवनिर्मित रेस्टोरेंट में रखी गई। संस्थान को विस्तार देने हेतु अयोध्या में नए स्थान को अंतिम रूप दिया गया। संस्थान से तकनीकी दल जल्द ही अयोध्या जी जाकर नए स्थान पर कार्य प्रारम्भ कराने की तैयारी करेगा।

संस्थान को एक वर्ष पूर्ण

इस वर्ष 3 जुलाई को न्यास की योजना से अयोध्या में संचालित अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान को प्रारम्भ हुए एक वर्ष पूर्ण हो गया। इस निमित्त वहाँ पर पूजा अनुष्ठान आदि का कार्यक्रम रहा जिसमें प्रकल्प के संयोजक डॉ सुशील उपाध्याय व अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। एक वर्ष की इस यात्रा में इस प्रकल्प के द्वारा 23797 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया, 17531 लोगों को निशुल्क चश्मे दिये गए और 1179 रोगियों की मोतियाबिंद की पहचान की गई। शीघ्र ही इनके ऑपरेशन की व्यवस्था प्रारम्भ करने की भी न्यास की योजना है।

माधव सेवा आश्रम, लखनऊ में योग कक्षा

लखनऊ में संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (SGPGI) के निकट स्थित माधव सेवा आश्रम द्वारा 2002 से ही इस अस्पताल में आने वाले रोगियों और उनके परिचारकों के रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। रहने व खाने की उचित व्यवस्था के साथ ही यहाँ रहने वाले लोगों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को देखते हुए नियमित योग कक्षा प्रारम्भ हुई है। एक योग प्रशिक्षक यहाँ आकर सभी को विभिन्न योगिक क्रियाओं का महत्त्व बताते हुए उसका अभ्यास भी कराते हैं। इस कक्षा का बहुत अच्छा परिणाम देखने में आ रहा है।

युवा साहित्यकारों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ विगत 28 वर्षों से विभिन्न विधाओं के युवा साहित्यकारों को **'पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान'** प्रदान करता आया है। इसी क्रम में इस वर्ष भी युवा साहित्यकारों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित हैं। एक अगस्त 2023 को रचनाकार की आयु 40 वर्ष से अधिक न हो। रचनाएँ हिंदी की चार विधाओं में, एक संस्कृत और एक हिंदी से इतर कोई भारतीय भाषा में हों।

- काव्य
- कथा साहित्य
- बाल साहित्य
- पत्रकारिता
- संस्कृत भाषा
- गुजराती भाषा

प्रत्येक विधा से एक साहित्यकार को सम्मान स्वरुप माँ सरस्वती की प्रतिमा, अंग वस्त्र एवं रु. पच्चीस हजार (25,000) की धनराशि प्रदान की जायेगी। इच्छुक साहित्यकार अपनी प्रकाशित मौलिक कृति/पुस्तक (4 प्रतियां), जीवनवृत्त और आयु प्रमाणपत्र के साथ 31 अगस्त 2023 तक निम्न पते पर भेजें -

प्रो. विजय कुमार कर्ण
संयोजक, चयन समिति
भाऊराव देवरस सेवा न्यास
C-91, निराला नगर, लखनऊ-226020
मोबाइल-8887671004 ▪ bdsnyas@yahoo.co.in

समर्थ भारत - दिल्ली

दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर युवाओं को अलग-अलग विधाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का कार्य समर्थ भारत द्वारा पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा है। इसके माध्यम से सैकड़ों युवा लाभान्वित हो चुके हैं और उनमें से अनेकों ने अपना स्व-रोजगार भी प्रारम्भ किया है। जुलाई 2023 में समर्थ भारत के विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियों की जानकारी नीचे दी गई है।

- मनसाराम पार्क केंद्र में हवन समारोह – दिनांक 16 जुलाई को मनसाराम पार्क (पश्चिमी विभाग) में हवन यज्ञ करके ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केन्द्र प्रारम्भ करने की प्रार्थना की गई। यह केन्द्र "स्वदेशी जागरण मंच", "एस ओ एस इण्डिया फाउन्डेशन" तथा "समर्थ भारत" के सांझे प्रयास से चलने वाला है।
- सुल्तानपुरी केंद्र का उद्घाटन समारोह – दिनांक 17 जुलाई को समर्थ भारत सुल्तानपुरी केंद्र के अंतर्गत ए.सी., फ्रिज तथा होम अप्लायंस रिपेयर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभाग घुमंतु समाज संयोजक श्री राज नरेश जी ने सभी 15 प्रशिक्षार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस बैच में प्रशिक्षक श्रीमान अंकू कुमार शर्मा जी रहेंगे।
- ब्यूटी कैंप आई एन ए केंद्र पर - समर्थ भारत के आईएनए केंद्र में दो दिन का (21-22 July) ब्यूटी कैम्प लगाया गया। इसमें आस पास की 29 महिलाओं ने भाग लिया। बिमला देवी मोती लाल चैरिटेबल ट्रस्ट की चेयरमैन श्रीमती अनिता अग्रवाल जी ने भी कैम्प की सुविधाओं का लाभ उठाया, बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।
- 31 एक्स्ट्रा ब्लॉक त्रिलोकपुरी केंद्र – इस केंद्र पर समर्थ भारत संचालित महिला सिलाई केन्द्र द्वारा बनाई गई नेकर जो रेमण्ड, ग्वालियर और विमल कम्पनी के कपड़े द्वारा बनाई गई हैं, केवल 150 रुपये में उपलब्ध हैं।

प्रमाणपत्र वितरण –

- ए सी और रेफ्रीजिरेटर बैच 2 कड़कड़डूमा केंद्र – दिनांक 26 जुलाई को कड़कड़डूमा प्रशिक्षण केंद्र में एसी और रेफ्रीजिरेटर रिपेयर कोर्स के दूसरे बैच में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 14 प्रशिक्षार्थियों को KVIC का प्रमाणपत्र दिया गया।

KVIC द्वारा प्रमाणन हेतु जुलाई माह में चले प्रशिक्षण कोर्स –

कोर्स	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	प्रशिक्षण अवधि
मधुविहार प्रशिक्षण केंद्र			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1,	श्रीमती निधि दीक्षित जी	23	24 अप्रैल - 23 जुलाई
टैंक रोड प्रशिक्षण केंद्र			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 4,	श्रीमती शालिनी जी	20	08 मई - 07 अगस्त
INA प्रशिक्षण केंद्र			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 2	सुश्री अंजली जी	20	19 जून - 18 सितम्बर
संगम विहार प्रशिक्षण केंद्र			
ए सी और रेफ्रीजिरेटर कोर्स बैच 1	श्री निर्मलेंदु जी	24	19 जून - 18 जुलाई
पश्चिम विहार प्रशिक्षण केंद्र –			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1	श्रीमती मिथिलेश जी	20	03 जुलाई - 02 अक्टूबर

समर्थ भारत द्वारा प्रमाणन हेतु जुलाई माह में चले प्रशिक्षण कोर्स –

कोर्स	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	प्रशिक्षण अवधि
पहाड़गंज प्रशिक्षण केंद्र –			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1	श्रीमती निशा गोला जी	10	01 मई से 31 जुलाई
बेसिक कम्पूटर कोर्स बैच–1	श्री रोहन जी	15	08 मई से 07 अगस्त
मालवीय नगर प्रशिक्षण केंद्र			
होम अप्लायंस कोर्स बैच–1	श्री तरणदीप जी	10	20 जून से 19 जुलाई
सुल्तानपुरी प्रशिक्षण केंद्र			
AC, रेफ्रीजिरेटर तथा होम अप्लायंस कोर्स बैच–2	श्री अंकू जी	15	17 जुलाई से 16 सित.
कांगनहेड़ी प्रशिक्षण केंद्र			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1	श्रीमती मुकेश देवी जी	25	10 जुलाई – 09 अक्टूबर
रोशन विहार प्रशिक्षण केंद्र –			
ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1	श्रीमती नेहा जी	20	10 जुलाई – 09 अक्टूबर

संगम विहार केंद्र गतिविधि

- श्रीमान मनोज अग्रवाल जी का प्रवास – दिनांक 23 जुलाई को संगम विहार सेन्टर में चल रहे एसी फ्रिज रिपेयर व होम अप्लायंसेस कोर्स में द ग्रेट वैल्यू के MD श्री मनोज अग्रवाल जी का आना हुआ। इस कार्यक्रम में ENT विशेषज्ञ डॉ. वी के झाँझी भी उपस्थित रहे। मंच पर आसीन अतिथियों के परिचय के बाद उपस्थित 17 प्रशिक्षार्थियों का विस्तृत परिचय कराया गया। केन्द्र प्रमुख शुक्ला जी ने चल रहे कोर्स के विषय में बताया। 3 प्रशिक्षार्थियों ने एसी में गैस लीकेज को रिपेयर करने के विषय में प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इसके बाद ट्रेनर श्री निर्मल जी और डॉ. झाँझी जी ने अपने विचार रखे। श्री नवीन जी ने समर्थ भारत के कार्यों के विषय में बताया। अंत में श्री मनोज अग्रवाल जी ने विद्यार्थियों को मेहनत करने व नियमित रहकर कोर्स करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जो भी परिश्रम व लगन से कार्य करेगा उसकी उन्नति को भगवान भी नहीं रोक सकता।

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

न्यास द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प लखनऊ और उसके आस पास की बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से रोगियों को उपचार व निशुल्क औषधि उपलब्ध करा रहा है। विभिन्न बस्तियों में सचल वाहन के माध्यम से चिकित्सक सप्ताह में एक नियत दिन पर वहाँ उपचार हेतु पहुँचते हैं। इस प्रकार से 6 बस्तियों में यह व्यवस्था प्रदान की जा रही है। इन केन्द्रों में अप्रैल 2023 से 31 जुलाई तक आने वाले रोगियों की संख्या इस पत्रिका के अंतिम पृष्ठ पर दी गई है।

बस्तियों की सूची में समय-समय पर आवश्यकता अनुसार परिवर्तन होता रहता है। वीरवार, 27 जुलाई को श्रद्धानगर बाबा का पुरवा, पेपरमिल कॉलोनी लखनऊ में नए स्वास्थ्य केन्द्र का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर अवध प्रांत के प्रांत सेवा प्रमुख श्री देवेन्द्र जी, भाग एवं नगर के सेवा प्रमुख, प्रचारक श्री कमलेश जी, भाग कार्यालय प्रमुख आदि भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विनय मिश्रा, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव तथा न्यास के स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 32 रोगियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा निःशुल्क औषधि प्राप्त की। कुछ रोगियों ने अपना रक्त परीक्षण (पैथोलॉजी) भी कराया।

भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान 2023-24 हेतु प्रविष्टि आमंत्रित

न्यास द्वारा प्रति वर्ष भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान दिया जाता है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष दो ऐसी विभूतियों या संस्थाओं को सम्मानित किया जाता है जो समाज में विभिन्न प्रकार से सेवा के कार्य में लगे हैं और समाज में उस कार्य का प्रतिफल दिखाई देता है। सेवा सम्मान के रूप में रु. दो लाख 51 हजार की धनराशि भी दी जाती है। इस वर्ष की योजना में निम्न कार्य-क्षेत्र में कार्यरत दो व्यक्तियों या संस्थाओं को सम्मानित करने का निर्णय हुआ है।

कुष्ठ रोगियों एवं वेश्याओं के बच्चों को स्वावलंबी/आत्मनिर्भर बनाना या सुदूर पिछड़े क्षेत्र में सेवा कार्य करना

अर्थात् ऐसे व्यक्ति या संस्था अपनी प्रविष्टि भेज सकते हैं जो शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से कुष्ठ रोगियों एवं वेश्याओं के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने या सुदूर पिछड़े क्षेत्र में सेवा का कार्य कर रहे हैं।

अतः न्यास आप सभी से आग्रह करता है कि यदि आप या आप की संस्था उपरोक्त कार्य-क्षेत्र में कार्यरत है तो सम्बंधित विस्तृत विवरण (जैसे - कब शुरू हुआ, हर वर्ष लाभान्वित, अब तक लाभान्वित, साहित्य, चित्र आदि) को न्यास को भेजने की कृपा करें। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2023 है।

पता : **भाऊराव देवरस सेवा न्यास**, 12/604, CWG Village, पटपड़गंज, नई दिल्ली-110092, फोन: 9811068375

संपर्क सूत्र : दूरभाष - 9811068375 ● **ई-मेल** - **bdsnyas.dl@gmail.com**

एम्स विश्राम सदन, दिल्ली

विश्राम सदन में आने वाले रोगियों के परिचारकों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की चिंता भी सदन के कार्यकर्ता करते हैं और इस हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का नियमित या कुछ अंतराल पर आयोजन करते हैं। सदन परिसर में प्रतिदिन सायं में भजन संध्या और साप्ताहिक सुंदरकांड का पाठ आयोजित होता है जिनके कारण यहाँ रहने वाले रोगी और उनके सहायक आनंद-विभोर हो जाते हैं और कुछ समय के लिए अपने कष्टों को भूल जाते हैं। यहाँ होने वाली साप्ताहिक योग कक्षा भी शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में सहयोगी रहती है। इसमें भाग लेने वालों की संख्या उत्साहजनक रहती है। अनेक छोटे बच्चों और साथ ही कुछ अधिक उम्र के पुरूष व महिलायें भी उत्साह से इसमें भाग लेते हैं।

सदन में रहने वाले सभी व्यक्तियों के लिए प्रातः और सायं में चाय बिस्कुट की निशुल्क व्यवस्था न्यास की योजना से होती ही है। किन्तु बच्चों के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। अब छोटे बच्चों व शिशुओं के लिए प्रातःकाल में दूध और केले की व्यवस्था न्यास की ओर से प्रारम्भ की गई है जिसके कारण बच्चे अत्यंत प्रसन्न हैं।

अस्पताल में उपचार हेतु आने वाले या परिचारकों के साथ आने वाले शिशुओं के लिए विश्राम सदन में पूरा दिन रहना अत्यंत कष्टकारी हो जाता है। अतः 8 जुलाई से इस विश्राम सदन में आने वाले इन शिशुओं के लिए कुछ खिलौनों के साथ क्रीड़ा स्टेशन की शुरुआत की गई। इस सुन्दर कार्य की प्रेरणा न्यास के न्यासी श्री श्याम बागड़ी जी ने दी और प्रारम्भ करने के लिए कुछ खिलौने भी उपलब्ध कराए। सदन के कार्यकर्ताओं ने लोगों का आह्वान किया कि अपने घरों से अच्छे व अतिरिक्त खिलौने सदन को इस कार्य हेतु उपलब्ध कराएं।

18 जुलाई से विश्राम सदन में लोगों को कपड़े प्रेस करने की सुविधा की भी शुरूआत करा दी गई है। दूध और पानी गरम करने की और जूसर की व्यवस्था पहले से ही उपलब्ध है। लगभग सभी कक्षों में खिड़की और दरवाजों में पर्दों की व्यवस्था भी ठीक कर दी गई है जिसके लिए 150 नए पर्दे और सभी कक्षों में नई रॉड की व्यवस्था की गई है। इससे कक्षों में आने वाली तेज धूप से बचाव हो सकेगा।

विश्राम सदन में 28 जुलाई को भारत सरकार में मा. आदिवासी कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह जी का आगमन हुआ। उनका स्वागत सदन के प्रबंधक श्री बलबीर जी और श्रीमती स्वर्णपद्मा जी ने किया। श्रीमती रेणुका सिंह जी ने सदन का अवलोकन किया और ठहरे हुए लोगों से व्यवस्थाओं के विषय में चर्चा की। उन्होंने सदन की व्यवस्थाओं की अत्यंत सराहना की।

14 जुलाई को प्रांत कार्यवाह श्री भारत जी के माता पिता विश्राम सदन पधारे। उन्होंने सदन की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए काफ़ी लोगों से बातचीत की और उनके साथ भोजन भी किया। उन्होंने सदन की व्यवस्थाओं की काफ़ी सराहना की व कुछ बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

विभिन्न प्रकल्पों में

पटना विश्राम सदन

विश्राम सदन में उपचार हेतु आने वाले रोगियों के रहने व खाने की व्यवस्था के साथ साथ उनकी अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी सदन के कर्मचारी तत्पर रहते हैं। स्वतंत्रता सेनानी और एक स्वयंसेवक के पिता श्री राम नारायण जी के प्राण बचाने के लिए खून की आवश्यकता थी। पटना विश्राम सदन के प्रबंधक श्री दीपक जी ने रक्तदान कर उनके प्राणों की रक्षा की।

दिनांक 6 जुलाई 2023 को दोपहर 12 बजे फायर स्टेशन से अपने दो वरीय पदाधिकारी अपने 6 सहयोगियों के साथ अपने सदन में आए। उन्होंने आपातकाल की स्थिति में आग से स्वयं की और सदन में रहने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा कैसे करें, इस बारे में मॉकड्रिल के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। सदन के सभी कर्मचारियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

दिनांक 25 जुलाई को सदन में सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ जिसमें सदन में रह रहे 74 लोगों ने इस पाठ का श्रवण किया। इस शुभ अवसर पर पटना महानगर के मा. सह संघचालक श्री कालीचरण जी और सदन की संचालन समिति के सचिव श्री नागेंद्र जी की उपस्थिति ने सभी का उत्साहवर्धन किया। पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण एवं उपस्थित भक्तजनों के बीच चाय की व्यवस्था की गई।

झज्जर विश्राम सदन

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के द्वारा संचालित विश्राम सदन, एन सी आई, एम्स झज्जर में रहने वाले सभी व्यक्तियों के लिए प्रातः और सायं में चाय बिस्कुट की निशुल्क व्यवस्था न्यास की योजना से होती ही है। अब विगत 1 जुलाई से प्रतिदिन सुबह बच्चों को निःशुल्क दूध एवं बिस्किट का वितरण भी प्रारम्भ किया गया है जिसके कारण बच्चे अत्यंत प्रसन्न हैं।

अमन भाटिया जी प्रत्येक सोमवार और बुधवार को विश्राम सदन में जहां मरीजों को बैठे देखते हैं उन्हें सुकून प्रदान करने के लिए वहीं भजन और गीत शुरू कर देते हैं। मरीज भी वहीं आकर बैठ जाते हैं और डूब जाते है गीतों के सागर में।

समर्थ भारत प्रकल्प की जानकारी

क्र.	ट्रेनिंग का नाम	जुलाई 2023 में पूर्ण			वर्ष 2023 - 24 (अप्रैल से अब तक)				
		बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	स्वरोजगार	रोजगार
1	ए.सी. - फ्रिज रिपेयरिंग	1	1	24	6	4	89	5	12
2	ब्यूटिशियन	2	2	33	3	3	54		3
3	हेयर स्टाइलिस्ट								
4	जी.एस. टी. – टैली				1	1	11		1
5	मोबाईल रिपेयरिंग								
6	सिलाई – कटाई				1	1	6		2
7	होम अप्लायंस रिपेयर	1	1	10	1	1	10	2	3
	कुल योग	**4**	**4**	**67**	**12**	**10**	**170**	**7**	**21**

पावन स्मृति - अगस्त

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
1 अगस्त 1913	पुण्य तिथि	उपन्यासकार : बाबू देवकीनन्दन खत्री
3 अगस्त 1886	जन्म-दिवस	राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त
4 अगस्त 1906	जन्म-दिवस	हिमाचल के गौरव : डा. यशवन्त सिंह परमार
6 अगस्त 1956	जन्म-दिवस	पानीबाबा : राजेन्द्र सिंह
8 अगस्त 1509	राज्याभिषेक दिवस	प्रतापी राजा कृष्णदेव राय
11 अगस्त 1908	बलिदान दिवस	अमर बलिदानी खुदीराम बोस
13 अगस्त 1638	जन्म-दिवस	मारवाड़ का रक्षक वीर दुर्गादास राठौड़
13 अगस्त 1854	जन्म-दिवस	सदगुरु श्री टेम्बे महाराज
15 अगस्त 1872	जन्म-दिवस	स्वतन्त्रता के उद्घोषक श्री अरविन्द
16 अगस्त 1886	पुण्य-तिथि	रामकृष्ण परमहंस की महासमाधि
16 अगस्त 1904	जन्म-दिवस	सुभद्रा कुमारी चौहान : खूब लड़ी मर्दानी की लेखिका
17 अगस्त 1666	इतिहास स्मृति	और वे निकल भागे : वीर शिवाजी
17 अगस्त 2007	पुण्य-तिथि	आधुनिक भगीरथ दशरथ मांझी
17 अगस्त 1849	बलिदान-दिवस	वजीर रामसिंह पठानिया
17 अगस्त 1909	बलिदान-दिवस	अमर बलिदानी मदनलाल धींगड़ा
18 अगस्त 1700	जन्म-तिथि	अपराजेय नायक: पेशवा बाजीराव
19 अगस्त 1928	जन्म-दिवस	उत्तम साहित्य के प्रकाशक पुरुषोत्तमदास मोदी
20 अगस्त 2004	पुण्य-तिथि	इतिहासकार गंगाराम सम्राट्
21 अगस्त 1948	बलिदान-दिवस	शोएबुल्लाह का बलिदान
22 अगस्त 1933	जन्म-दिवस	संकल्प के धनी डा. जगमोहन गर्ग
23 अगस्त 1998	पुण्य-तिथि	संगठन के मर्मज्ञ: श्री माधवराव देवड़े
25 अगस्त 2007	पुण्य-तिथि	राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि
26 अगस्त 1941	बलिदान-दिवस	हैदराबाद सत्याग्रह के बलिदानी: पुरुषोत्तम जी ज्ञानी
27 अगस्त 1993	पुण्य-तिथि	बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री प्रताप नारायण जी
27 अगस्त 1923	जन्म-दिवस	वचन के धनी शारदाचरण जोशी
28 अगस्त 1903	जन्म-तिथि	प्रथम प्रचारक बाबासाहब आमटे
29 अगस्त 1905	जन्म-तिथि	हाकी के जादूगर ध्यानचन्द

आधुनिक भगीरथ दशरथ माँझी

जन्म 14 जनवरी 1934 - मृत्यु 17 अगस्त 2007

निस्वार्थ भाव से लगातार किसी सद् संकल्प को लेकर काम करता रहे, तो ऐसे व्यक्ति को भगीरथ ही कहते हैं। ऐसे ही एक आधुनिक भगीरथ थे, दशरथ माँझी। वे बिहार के गया प्रखण्ड स्थित गहलौर घाटी में रहते थे। उनके गाँव अतरी और शहर के बीच में एक पहाड़ था, जिसे पार करने के लिए 20 कि.मी का चक्कर

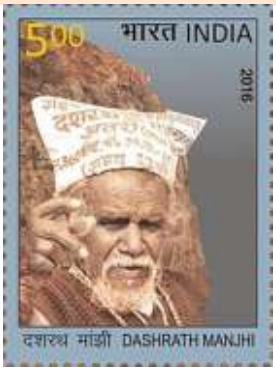

लगाना पड़ता था। 1960 ई० में दशरथ मांझी की पत्नी फगुनी देवी गर्भावस्था में पशुओं के लिए पहाड़ से घास काट रही थीं कि उनका पैर फिसल गया। दशरथ उसे लेकर शहर के अस्पताल गये, पर दूरी के कारण वह समय पर नहीं पहुँच सके, और उनकी पत्नी की मृत्यु हो गयी। इस घटना ने दशरथ के मन को बहुत आहत किया। उन्होंने निश्चय किया कि जिस पहाड़ के कारण मेरी पत्नी की मृत्यु हुई है, मैं उसे काटकर उसके बीच से रास्ता बनाऊँगा, जिससे भविष्य में किसी अन्य बीमार को अस्पताल पहुँचने से पहले ही मृत्यु का ग्रास न बनना पड़े। उसके बाद सुबह होते ही दशरथ औजार लेकर जुट जाते और पहाड़ तोड़ना शुरू कर देते। सुबह से दोपहर होती और फिर शाम, पर दशरथ पसीना बहाते रहते और अंधेरा होने पर ही वे घर लौटते। लोग समझे कि पत्नी की मृत्यु से इनके मन-मस्तिष्क पर चोट लगी है। उन्होंने कई बार दशरथ को समझाना चाहा, पर वे उनके संकल्प को शिथिल नहीं कर सके।

अन्ततः 22 साल के अनवरत परिश्रम के बाद पहाड़ ने हार मान ली। दशरथ की छेनी, हथौड़ी के आगे 1982 में पहाड़ ने घुटने टेक दिये और रास्ता दे दिया। यद्यपि तब तक दशरथ माँझी का यौवन बीत चुका था पर 20 कि.मी. के स्थान पर अब केवल एक कि.मी की पगडण्डी से शहर पहुँचना सम्भव हो गया था। तब उनका उपहास करने वाले लोगों को उनके दृढ़ संकल्प के आगे नतमस्तक होना पड़ा। लोग अब उन्हें साधु बाबा के नाम से बुलाने लगे। उनकी इच्छा थी कि यह रास्ता पक्का हो जाये, जिससे पैदल की बजाय लोग वाहनों से चल सकें। इन्हीं सब समस्याओं से लड़ते हुए दशरथ बाबा बीमार पड़ गये। क्षेत्र में उन के सम्मान को देखते हुए राज्य प्रशासन ने उन्हें दिल्ली के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ 17 अगस्त, 2007 को उन्होंने अन्तिम साँस ली।

उनका पार्थिव शरीर दिल्ली से उनकी कर्मभूमि गहलौर घाटी में लाया गया जहाँ राजकीय सम्मान के साथ उन्हें भू समाधि दी गयी। उनकी मृत्यु के पश्चात सरकार ने उनके बनाए मार्ग पर सड़क का निर्माण किया। 2016 में भारतीय डाक विभाग ने मांझी पर एक डाक टिकट जारी किया।

बाबा साहब आमटे

जन्म 26 दिसंबर 1914 - मृत्यु 9 फ़रवरी 2008

बाबा साहब आमटे एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनका जन्म वर्धा के लेखपाल और जमींदार श्री देवीपाल के घर पर हुआ था। विरासत में मिली जमींदारी के कारण बचपन बहुत ही आराम से बीता। इनकी आरंभिक स्कूली शिक्षा नागपुर के मिशन स्कूल में हुई। उसके बाद उन्होंने नागपुर विश्विद्यालय से कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने कई अन्य विषयों को भी पढ़ा और फिर स्थानीय तौर पर वकालत का कार्य प्रारंभ किया। उनकी पत्नी का नाम था श्रीमती साधना गुलेशास्त्री।

बाबा आमटे ने गाँधी जी के साथ अहिंसा के रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने गाँवो में जाकर किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के लिए आवाज उठाना शुरू किया। बाद में विनोबा भावे से प्रभावित होकर उन्होंने भूमि सुधार आन्दोलन भी प्रारंभ किया। जीवनभर कुष्ठ रोगियों, जनजातियों एवं किसानों के साथ कार्य करते हुए उनके उन्नयन की जमीन तैयार की। बाबा आमटे के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि थी कुष्ठ रोग से पीड़ित और समाज के लिए अस्पृश्य लोगों के लिए आश्रम का निर्माण करना। इसे आज आनन्दवन के नाम से जाना जाता है। यहीं से उन्होंने भारत जोड़ो आंदोलन की भी शुरुआत की थी।

'ज्वाला आणि फुले' और 'उज्ज्वल उद्यासाठी' नामक दो काव्यसंग्रह बाबा आमटे ने लिखे। इन कविताओं में तत्कालीन संघर्ष की छवि देखने को मिलती है। उन्हें पद्मश्री, बजाज सम्मान, घनश्यामदास बिड़ला अंतरराष्ट्रीय सम्मान, गाँधी शांति पुरस्कार आदि अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले।

94 वर्ष की आयु में बाबा आमटे का निधन हुआ।

विश्राम सदनों में जुलाई-2023 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU लखनऊ	विश्राम सदन दिल्ली	IGIMS पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			5		5	10
2	हिमाचल प्रदेश					14	14
3	पंजाब/चंडीगढ़	5		4		3	12
4	हरियाणा			22		467	489
5	दिल्ली	7	2	13	1	176	199
6	उत्तराखंड	2		10		67	79
7	उत्तर प्रदेश	1769	1013	235	1	794	3812
8	बिहार	1261	33	265	2119	147	3825
9	झारखण्ड	183	16	41	47	13	300
10	सिक्किम						
11	नागालैंड						
12	असम	7		11	1	10	29
13	मणिपुर /मिजोरम						
14	अरुणाचल प्रदेश						
15	त्रिपुरा						
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	15		23	5	6	49
18	ओडिशा/अंदमान			4		6	10
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना				2		2
20	तमिलनाडु/पुदुच्चेरी					1	1
21	कर्नाटक						
22	केरल					1	1
23	महाराष्ट्र /गोवा/दमन	16	4		2	1	23
24	मध्य प्रदेश	49	5	52		34	140
25	छत्तीसगढ़	6		6	1	3	16
26	गुजरात	12		1			13
27	राजस्थान			23		27	50
पड़ोसी देश							
1	नेपाल	27	4	9	24	7	71
2	बांग्लादेश			2			2
3	अन्य देश						
इस मास का योग		3359	1077	727	2203	1782	9148
योग (अप्रैल 23 - मार्च 24)		13756	4328	2777	8784	6139	35784
इस मास में प्रतिदिन की औसत उपस्थिति		423	139	277	231	537	1607

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	जुलाई	अप्रैल 23 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	32	32
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	104	434
गोपालपुरा		25
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	58	187
अम्बेडकर नगर	14	14
माधव सेवा आश्रम	46	109
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	553	1978
होम्योपैथिक	416	1430
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	328	1154
कुल लाभान्वित रोगी	**1551**	**5363**

नेत्र चिकित्सा (जुलाई 2023)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2023 से)
नेत्र परीक्षण	460	2713	13200
चश्मा वितरण	163	1549	8135
मोतियाबिंद पहचान	4	132	577
मोतियाबिंद सर्जरी	4	0	25
Fundus Test	158	0	582
OCT Test	10	0	53
LASER	1	0	3
पैथोलॉजी	65	0	254

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं, सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन व सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू., लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
विश्राम सदन, एम्स, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	डॉ अनिमा जम्वाल	9839582266
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री अमित अग्रवाल	9838500708
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी